ससंदर्भ आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए (100 शब्दों में)

क) अलसता की सी लता
किंतु कोमलता की वह कली
सखी नीरवता के कन्धे पर डाले बाँह
छाँह सी अम्बर - पथ से चली।